12

219-15

पृति, श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर सिक्टिकोटे रावा, जिला

री वाम०वृ० R.5065-र्ना छ निगरानी प्रकरण क्रमांक / 2015

129( 39 aron. 98/6)

1- न-थू उपन निस्थूलाल यादव तनय श्री विशाली यादव उम्र 50 वहाँ, पेशा लेको निवासी गाम करेह, थाना बदेरा, तहसील महर, जिला सतना मठवुठ

2- रामकृपाल यादव पिता श्री वाल किशन यादव उम्र 48 साल निवासी ग्राम करें हथाना बदेशा, वह में हर, जिला सतना में पु०

---- निगरानी का गिण

विरुग्द

असिरिया यादव तनय स्वादशस्य प्रसाद यादव उम्र 70 साल पेशा कुः नहीं निवासी सारंग, थाना बहेरा, तहसील मेंहर, जिला सतना म०५० ——— अनोवेदक

थी. राप्तारिकार्य हैं दिल्ली वह के सारा जाज दिलाक २१-१ । ऽ के प्राण प्रतात किया गया।

निगरानी अन्तरित धारा 50 म०५०
म्राजस्य संस्थितस्य 1959 विरुत्त
आदेश श्रीमान् राजस्य निरोद्धाकः
महोदय महनपुर के प्रकरण क्र० 4ए/12
/ 2014-15में पारित आदेश दिनाक

21-5-15 के विरुग्द

मान्यवर,

अनावैदक जारा एक सीमिक्त का आवेदनपत्र

अभीतस्थ नायन वहसीलदार महोदय सिक्त भदतपुर के राजस्व निरी दाक महोदय के समदा अपनी मूमियों के सीमांकन हेतु आवेदनपत्र

Car

W

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. है. ५.५६५ ॥ । । जिला २२१८-४।

	नत्यूलाल जी से रिया-	
स्थान तथा दिनांक	न ८ श्रु त्मात्म कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
5-11-15	प्रभारत में जावे तक, जार वन्ता सी रामाक्रय सुब	
	उपाएंग्रत। जाविदक जाविषक्ता की काल में प्राध्यम	
	पर न्सना गमा)	
	आवि का आधे वन्सा छा। मुख्य म्या से अपने	<b>4</b> 
e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	तक में बाराया ग्रामा कि अनाविक गवा ह्या एक जाने	9×4
	पत्र -गत्रल तस्तीलदार के समस्य तत्रा शामन निरीक्रक	
	रत- रामनापूर के तमस परन्त किया ग्रा किसमें	
	असम सर्वे क्रमांक २१५/1, 133/7, 273/7 क के बीमोक्स	· And
	का निवदन किया गया, जिसके आधार पर किये गय की	07
	में अविद्रक के स्वत्व हवें आहि प्रत्य के सर्व कु ग्रामी	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
•	की भी जनावेदक के हिंठ के नाम दिया गया। महभी	•
	की की राज्या की री जी की न	
	की जोई करचना नहीं दी गई और नहीं खनवाई का अवाम	
	ही दिया गमा विस्मी व्यवस्य गमा कि अविदक्त की	
	उन्त वीभाकन की जानकारी क्यू हुई अब साहित की	
Į.	The state of the second of the	•
	राषा से बद्विय जर्न कर मेरिक	
1	THE CONTRACTOR STEP AND - NO	
-	SHIPS AND THE COLUMN OF THE CO	
	इसके अपिरवन वहीं तक प्रसुव किये जा जी भेग	
4 + 14 <sup>2</sup> +	Mar That me comme	
	19-12 1 19-13 80 81	
	अवदक आहावका की और से प्रसुव की	<u>.</u>
	कि हमें हैं महिल किया के विस्ति विस्ति हैं	
	लं निगरमी मेमो में बिल्ड विन्द्रमों के छेक हो है।	0
4	अधीनस्य -पामायम हण की गर् सीमो कन कार	( <del>)</del>

	<b>₹ ∙</b> कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	की प्रमाणित प्रतिमी का अवस्माकन किमागमा।	सक
	ख्या आदेख दिनोंक २१-५-१५ से परवारी की बीट से प्राप्त वीमोकन प्रिवेदन दिनोंक ५-६-१५ के आधा	
	पर मह अंकिर करते हुए कि किसी भी एकार की कोई आफर्ते नहीं आद्रे तथा सर्वे क्यों क 214/1 प आवेदक का अर्वेश करका पाया गया सीमोंकन रिपोर्ट की	
	अवि की गई। इस जावें अनेका के अवयोकन के	
,	सीमोलन कार्यवाही की एकि की से पहले कियी भी हिरवा पत्रकार की खनवाई का अवसर नहीं दिया गया है। जा ही से नियमानसार इस बीमाकन	
	से अमावित प्रसकार का व्यावस्थात स्वना पत्र कियो का उन्हें सनवार का खंपस सम्मन का	
	क्षितमा जरान करो उर धोमी कन कार्यवाहे की पाल करा नहीं इर्हें।	
	सरकारी अतिवेदन दिनोंक ड-६-15 के अवले समह स्ववह है कि अतिवादा आयाजीयत का धीमोंक करने हेत किसी स्वाहे व नेत्वसी पीमा चिन्ह का उक्षे	
	नहीं हिलिसे ज्ञाचार् भानका खीमांकन किया गयाह	<u>}</u>
	करने पर पाया गया कि पेचनाया पर अविद्युग्गण के हत्ताक्षर नहीं है और मही उनके पेक्ष में पेक्स में	
	केत कोई श्रेष ही केतिहरें। किया पत्र दिनोंक 15-6-15 का अवसीकन केते पर पामा गमा कि ख्रामाणता भे अविदेक गण व	5
	नाम आवयक क । जा है जिसके नम के धामने हामासा किसे के किस के भी के 2 का नाम के किस नहीं ही.	
	- HM - SING 10 01.	

स्थान तथा दिनांक

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. R: 5.865 (b) 15...... जिला : 2:18:47

प्राप्त क्या ह्यांक का कार्य के कारण का कारण			
भी करने व्यापक तथा महिक हात वेचनामा।  श्री करने व्यापक तथा महिक हात वेचनामा।  श्री क्या देने योग्र उच्चा पत्र भी हिक हरना पत्र भी भीकर के के लिया प्राप्त कर के लिया प्राप्त के लिया के	स्थान तथा दिनांक	अट्यूलाल कार्यवाही तथा आदेश	
अप्राचार काम का काम का प्राचित विशेष काम का का का का काम का का काम का का काम का काम का		मरा उपयोक्त अमिलेख के अववाकन से विशेष	
अप्राचित कर कार्या के स्वाहित कर कार्या कर कार्य कर कार्या कर कार्य कर कार्या कर कार्या कर कार्य कर कार्या कर कार्य कर कार्या		भी करने लामक तथ्य मह है के खाल पंचनामा	० बिन्दु रा नि द्वारा
में हमा देने योग उदम महामें हिक ह्यमापत्र मिलाली कर कामारे का कामा		15-6-15 खना तथा सीमीकन प्रतिवेद दिनाक उन	अस प्रतिकदन के
अ सम्मान का निर्मा कराय कार्या के स्वास्त कर कार्या कार्या कराय कार्या के अस्त कर कार्या के कार्या कार्य के कार्य कार्य कर कार्य के कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य		में मेमा जाना उत्त्वीकि के प्रमाण आर वित अह	स्तामायाम व
कारमादी का मामिक का कार्य हमान का कार्य हमें का मान मामिक कारमादी की मामिक कारमादी क	•	म किर्म दन याम वश्य मट्न होक हिर्माक	ना अन्याणम् करन
स्मिक 15-७. ए. की ही किए जीने का कार्यपा के कियोर पार्याक्षेत्र हो से हैं जिसे कियों के कियों के विश्वाक की की कियों के कियों की किया की कियों की कियों की किया की कियों की कियों की कियों की किया किया की किया किया की किया की किया की किया किया की किया की किया किया किया किया किया किया किया किया		की त्मरी किया गया तथा मीमीकन कार्याही भी	2115 115 911
में उत्नेव हैं। जी वैदेशस्य है खें मह कार्यवाहें प्रधाम ह्व्या की अवेश खें मुश्मित स्था निर्में के निर्में परिवासित की की कि के कार्या पर प्रकार कि की मान की हैं।  अपने कर विश्वेष खा के आक्षा पर प्रकार की अवार की जात की की अवार की जात की की अवार की जात की		स्थिक 15-6.12 की ही किए जीने का सर्मा पत्र	िकाया गया है।
के सिप्पीर परिवासित हो रही है। जिस स्वाप्त निवासित स्वाप्त हो रही है। अध्या पर प्राप्त के क्रिका पर प्राप्त के क्रिका प्राप्त के क्रिका कि के क्रिका के क्रिका कि के क्रिका के क्रि	· .	में उल्लेख है। जी वेदिहास्पद है हवं मह कार्यवाहे	
अपरोकर विश्वतिखा के अधा पा प्रकाश में आसी की की की कार्या पायर मिन्न के शाम की	•	अध्यम हक्यमा ही अवेश एवं अपार्मित स्था किश	
अपरोकर विश्वतिखा के अधा पा प्रकाश में आसी की की की कार्या पायर मिन्न के शाम की	•	किया राष्ट्र पार काम हो रही होता क्रम भी स्थापन	
में कार्यों वीमोकन एविट महिना कर 215-15 शिर वम्पूर्ण विमोकन कार्यवाद माम्स की जाम देशा मिल सरद्दी खें हिन्दु पद्मकारे की भाकिन समस्त सरद्दी खें हिन्दु पद्मकारे की भाकिन समस्त महिन कर स्वाद के मिला विश्वित स्ट्रमा पद्म जारी कर स्वाद के ने विश्वा भामा मिल मिलारिन कर स्वाद की का स्वाद के ने विश्वा भामा मिल मिलारिन कर स्वाद की का सिन्द में सीमान मामान का मोना का प्रमान का प्रमान दिनद्द पद्मकारों की पद्म सम्मान का प्रमान खें समस्ति जा सामा जित्न कार्यवाद की नो कन		उपयोग्य विश्वासम् के उपरान मा म्या	50
सिंह सम्मूली निमांकन कार्यवाही ज्ञामास की जाती है तथा ख्रमाल सहानि के देन ज्ञानी के शामा की जिमांकन समस्त सरही को हिन्दी पक्षकारें की जिमांकन समस्त सरही को हिन्दी पक्षकारें की निमांक कार्यारी ज्ञामनेत के ख्राधार के निमांक जातम का दीमोंकन कार्यवाही केंद्र विमां कि से मिनेक कार्याही का ज्ञाम का प्रवास की पहले प्रमान हिनदार पक्षकारों की पद्म सम्मी का प्रवास हवे समन्ति ज्ञानम् ज्या अतन कार्यवाही		में आशियों निमाकन प्रात स्वादेश हिंत है।	F)
है तथा क्रमण जिस कामन का प्रांति हुने क्रमण कामण क्रमण कामण क्रमण कामण कामण कामण कामण कामण कामण कामण का		भिरत धम्प्रणे लेगिकन कार्यवाह जापात की धारी	
विमानि का जाता है कि वे कामित भीममा का प्राप्त किया जाता है के विमानि का प्राप्त का कामित का प्राप्त के कामित का कामित का प्राप्त का कामित का काम		ट वंशा फाल तहसायता के तम सिर्फ ने तम	
विधिता के पटवार आमेलें के आधार उनकी विश्व के सकता की कार के की की कि के की		उट्यावीरत किया आता है कि वे अविदि अधिक	
विद्या अवसा जतम करिश्य किया कि कार्या किया कार्या किया कार्या कार्या के कार	٠	निभाकन समस्त सरहते व्याहर्षित वसकारी की	
सीमा जिन्ह निर्धारित कर स्पाद्र भीमा जिन्ह में भीमान जारम कर द्वीमोकन कार्यवाही कर उदान करने है पहले समक्ष हितवह कहाकारों की पक्ष सम्मी का प्रमाप हवे समन्त्रि अवसा अपन करोत्हर भीमोकन कार्यवाही		विधिवा स्था पेंड आरे का ह्याडे वन्यवसी	
क्रिक्ट कक्षणा, था तस सक्रम या त्यात हव अपन कर व्याचार, या त्या करा हत करा हत कार्य नाम कर व्याचार आवाद कर, व्या स्थाप		after the the the the	\ <del>}</del>
सम्बद्ध कक्षकारी. की तक्ष सम्मान का तम्मि हवे		निर्म के विमान भागवाही कर वदा समिक	N
धमन्त्रे अवसा यदम करिह्य भीना का कार्यनी		कामवादी का अपने रूप वदान करने विपहन समित	
का क्रीस क्या प्रदान का जादिन की		समानित जातमा यदम कारे हरू किनो कन कार्यक	
	9	की की का प्रदान कर प्रादेश वाति करें।	(

[कृ. प. उ.

R. 5056/11/15

स्थान तथा दिनांक

- (धूपाप)
कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

- उस्त निर्म्म के सम्म अविकाश एवं अनाविका
को भी आदेश किमा जाता है कि भी उम्र आदेश

के लिल्या के उल्लिस के अंदा संकर्षित

स्ट के समझ उपाध्येत होका उत्त अविदित

तहसीव्यदार खम्प्रकी धीमीकन कार्यवर्ष

हिं किवादित वीगावन कामवही में बह्मोग कैए।

तीन माह में पूर्व कि जिल्हा जिल्हा महिंदी। के सम्म यह

निगति जना इसी स्ताप समाछ किया जातरि

पयाकार् सम्पेर हो । प्राचिर हो।

(नंदुख

M